राज कॉमिक्स

संख्या 0261

परमाणु

परमाणु

लेखक: तरुणकुमार वाही
चित्रांकन: चव्हाण
सम्पादन: मनीष चन्द्र गुप्त

आई.टी. ओ. स्थित पुलिस हैड-क्वार्टर के उस विशेष कक्ष में एकाएक सनसनी सी फैल गई—

क्या ?
क.... कौन हो तुम !??
हैलो ... हैलो ...हैलो...

© RAJA POCKET BOOKS

उस अज्ञात इन्फार्मेशन के ठीक पन्द्रह मिनट पश्चात्–
कुतुबमीनार के पास बनी 'क्रिस्टल' नाम की इमारत में सपेरा ठहरा हुआ है।
सपेरा??
... जिसने पिछले कुछ दिनों से देश में आतंक फैला रखा है? आतंकवादी दल का नेता सपेरा... जिसके सिर पर पांच लाख का इनाम है!!?
सपेरे को जिन्दा या मुर्दा गिरफ्तार करो। क्विक... क्रिस्टल को घेरो।
यस सर!!!
रेड-एलर्ट घोषित हो गया। पुलिस, दल-बल के साथ क्रिस्टल की ओर रवाना हुई–
वुऽऽऽ वुऽऽऽ वुऽऽऽ

कुतुबमीनार से कुछ दूर डी. सी.पी. नाठे के नेतृत्व में–

बिलंकर व सायरन बंद कर दो। हम क्रिस्टल के निकट हैं। ओवर।

हवाई दस्ता कुतुबमीनार के ठीक ऊपर–

पुलिस फोर्स! आगे जंगल है, पैदल बढ़ो। क्रिस्टल को घेरो। चुपचाप।

आगे बढ़ो

क्रिस्टल सैंडविच बन रही थी–

कूदो।

खत्म किया!
फायर करो। नीचे मत आने दो।

ओह। उन्होंने फायरिंग शुरू कर दी है—
घबराओ नहीं अभी तक हम गोलियों की रेंज से बाहर हैं। नीचे वाला दस्ता किस्तल को घेर चुका होगा...

...और ऊपर से वह हमारा जवाबी हमला...हैंडग्रेनेड !!
?

भागो!
धड़ाम
धड़ाम

खतरे का अलार्म बज उठा—

क्रिंऽऽऽ

सर! वह विमान में फरार हो रहा है।
उफ। हम इस हैलीकॉप्टर से उसका पीछा नहीं कर सकते।

वह निकल जाएगा।
लगता है सारी मेहनत बेकार गई।

ठीक इसी पल विमान पर अटकी निगाहें आश्चर्य से फैलकर चौड़ी हो गईं–
अरे!!
वहक्या है?
करिश्मा

बिजली सी चमकी, और–

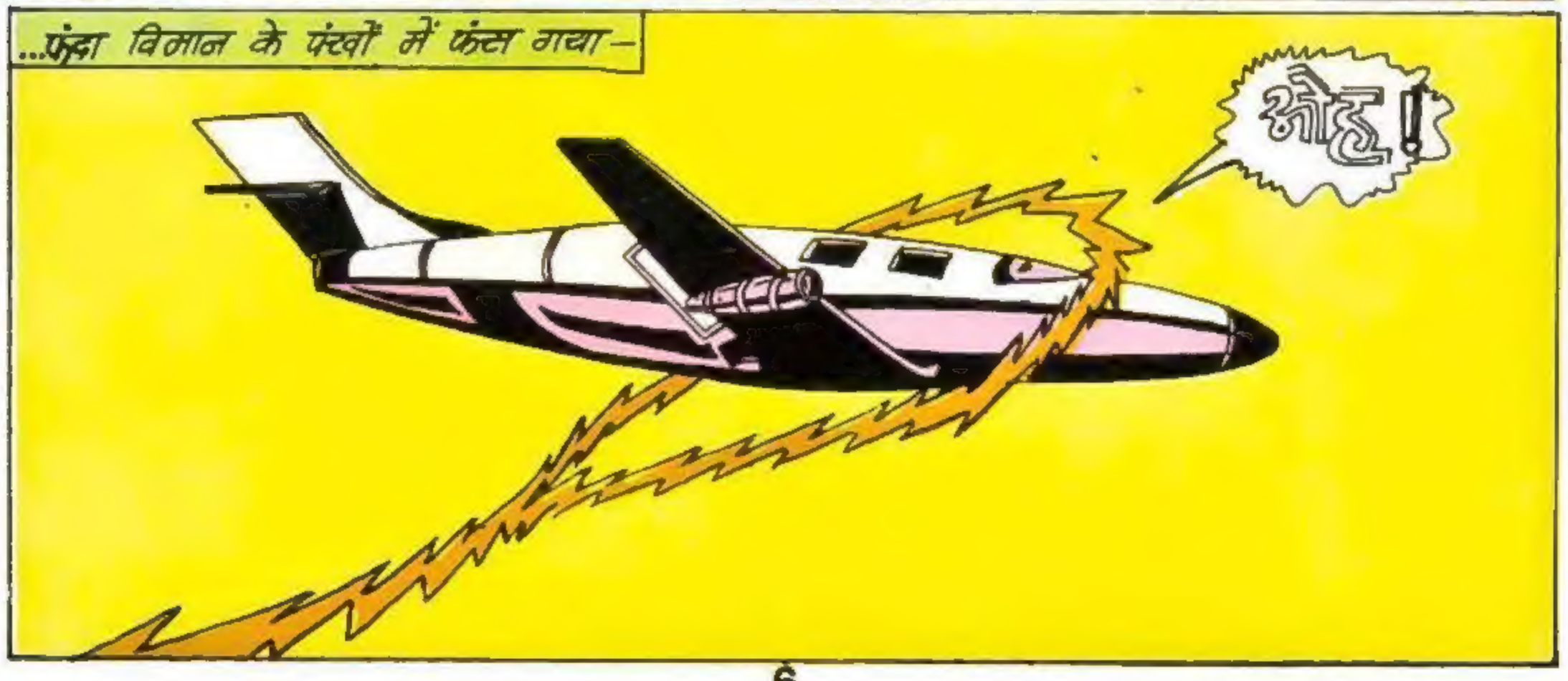
...फंदा विमान के पंखों में फंस गया–
ओह!

विमान में स्वार सपेरे की बीन बज गई—

उफ्!! यह विमान एकाएक जाम क्यों हो गया। और... ये तेज रौशन किरणें...?

फड़ फड़ फड़

विमान को धरती पर उतार दो।

ओ. के. प्रोफेसर।

सर! विमान नीचे लाया जा रहा है।

अद्भुत!

और इस प्रकार दिल्ली की तिहाड़ जेल में एक भैदी और बढ़ गया –

मुझे छोड़ दो, बेवकूफो! तबाही मच जायेगी। कत्लेआम हो जायेगा...

...यू फूल जेलर... हिंसा का नंगा नाच होगा। छोड़ दो मुझे। भगा दो मुझे।

बन्द करो इसकी आवाज।

पछताओगे। तुम सब पछताओगे।

आउच्च...

संध्य समाचार पत्रों में खबर सुर्खियों में छपगई -

संध्यदैनिक

आतंककारी दल का मैन लीडर गिरफ्तार

संध्य टाइम्स

किस्सा अब खत्मे का है!

सपेरा चमत्कारिक ढंग से गिरफ्तार!

THE EVENING SPECIAL

TERRORIST'S COMMANDER SAPERA ARRESTED

सपेरा ग्रुप में खलबली मच गई -

नहीं!... यह नहीं हो सकता!.

संध्य खबर

सपेरा चमत्कारिक ढंग से गि

आप आदेश दें प्रोफेसर, हम उस जेल के परखच्चे उड़ा देंगे जहां...
सपेरा को दुनिया की कोई पुलिस गिरफ्तार नहीं कर सकती। प्रोफेसर जैड ऐसा नहीं होने देगा।
Z

नहीं!!

इस तरह सपेरा की जान को खतरा हो सकता है।

सबसे पहले इन लोगों को सबक देना जरूरी है जिन्होंने सपेरा को गिरफ्तार करने की जुर्रत की है।

हूंम

स्क्वाड नम्बर एक... पुलिस चौकियों को ड्राम गनों की अग्नि से झुलसा डालो।

यस प्रोफेसर!

उधर पी. सी. आर. की गश्त बढ़ा दी गई थी--

पी. सी. आर. गाड़ियां... अटैंशन... दिल्ली में रैड एलर्ट लागू है... मुस्तैदी दिखाएं...

संदिग्ध वस्तुओं को न छुएं। जैसे..रेडियो खिलौने... पेन..... घड़ी....

राज पेन सेंटर

...संदिग्ध व्यक्तियों को देखते ही नम्बर 100 डायल करें।

प्रत्येक नाके पर पुलिस की चौकसी थी-

रोको!

दिल्ली पुलिस कमिश्नर!

कहो डी.सी.पी. साठे! क्या पोजीशन है!?

सर! दिल्ली के चप्पे-चप्पे पर पुलिस की नाकाबंदी है।

फिर भी मुझे लगता है कि सपेरा ग्रुप कोई आतंकवादी हरकत जरूर करेगा।

हम उन्हें वैसी कोई भी हरकत न करने देने को दृढ़-प्रतिज्ञ हैं, सर!

गुड। और मुझे उम्मीद है कि वह रहस्यमय मानव भी इसी कोशिश में लगा होगा, जिसके कारण सपेरा आज तिहाड़ में बन्द है।

वह रहस्यमय मानव, विज्ञान का हैरत अंगेज करिश्मा है, सर! सपेरा का विमान जमीन पर उतारकर वह एकाएक न जाने कहां गायब हो गया था।

अरे! वह कहां गया?

वह जो भी है, देश की भलाई चाहता है, और मुझे उम्मीद है कि जल्दी ही हम सब उसका परिचय पा लेंगे।

मिस्टर लाठे! जेल पर चौकसी और बढ़ा दो। बल्कि तुम खुद सुरक्षा व्यवस्था अपने हाथ में लो। शहर में घुसने के हर रास्ते पर पुलिस का जाल बिछा दो।

लेकिन उस वक्त वो क्या करें, जिसके लिए पुलिस ने अभी तक ख्वाब में भी नहीं सोचा था-

ऊपर सड़क पर रुका हक्कन एकाएक सकपका उठा-

शहर की नाकाबंदी है... ...लेकिन गटर में... हा-हाहा

चुप रहो।

भूत की तरह गंदे सीवर से निकलकर सड़क पर प्रकट हुए-

जोगा कार लेकर तैयार खड़ा है! क्लिक!

इग्निशन सीट संभालूं।

पुलिस चौकी अधिक दूर नहीं है।

जल्दी चलो

फरारी के लायक कार प्राप्त हुई-

धुआंधार हमले के बाद हमें फिर यहीं गटर में आना है।

रेडी !

आई एम रेडी !

फायर के साथी कार को यू'टर्न' देना, जोगा!

फायर!

बस की ही देर में जोगा ने कार को 'यू' टर्न दिया-

दूसरी ओर की खिड़की से द्रोण गनें चीख पड़ीं-

??

?!

आपका संदेह ठीक निकला प्रोफेसर! नीचे एक पुलिस चौकी में विस्फोट हो रहे हैं।

ओह! तो उन्होंने अपना गुस्सा पुलिस चौकी पर उतारा है।

मैं चौकी के रक्षकों की मदद के लिए उतर रहा हूं।

आ..ह

अंहह!

बचाओ

घबराओ नहीं!

आह!

परमाणु! सपेरा ग्रुप को जाने मत देना।

वे अभी ज्यादा दूर नहीं गए होंगे। मैं कुछ ही क्षणों में उन्हें पकड़ सकता हूं।

जल्दी करो। दूसरी चौकी पर धावा बोलना है।

यह कौन?

अरे।

??

धप्प

धड़ाक

दूसरा कौन

ओह्ह

ओऽऽऽ... ओह

आवाज़ो

परमाणु! क्या हुआ तुम्हें? तुम ठीक हो न?

यस प्रोफेसर! मामूली सा अग्नि-बम था ... लेकिन मेरे जिस्म पर एस्बेस्टस की परत के होते आग मुझे हानि नहीं पहुंचा सकती।

सपेरा ग्रुप कहां है?

शायद सीवर के रास्ते फरार हो गया है और गैस-मास्क के बिना सीवर में उतरना मेरे लिये खतरनाक होगा।

लौट आओ

हां! शायद अब वे और अधिक हमले नहीं करेंगे।

अगले दिन दिल्ली की विभिन्न सड़कों पर हैलीकाप्टरों से कुछ परचे नीचे फेंके गए–

यह परचे कैसे गिराएजा रहे हैं ?!!

परचे!

परचे!

परचे!

.....आग की बारिश में दिल्ली.... उफ!...सपेरा ग्रुप की चेतावनी।

उफ! क्या होगा अब? आग की बारिश!

ऐसा तो होना ही था। सपेरा को छोड़ना पड़ेगा, वरना.....

सपेरा को छोड़ दो। वरना कल दिल्ली आग की बारिश में घिर जाएगी।

सपेरा ग्रुप

उधर सपेरा टॉर्चर रूम में–

बताओ सपेरा! दिल्ली में तुम्हारा हैडक्वार्टर और कहां-कहां है?

ज. जेल से छूटने के बाद म...मैं तुझे ही सबसे पहले मारूंगा डी.सी.पी.!

कमीने.... मैं तेरे अंग-अंग से अपने हर सवाल का जवाब कुबुलवा कर रहूंगा !

धड़ाम

सर!

क्या है?

सपेरा को छोड़ दो। वरना कल दिल्ली आग की बारिश में... ओह.... हरामजादे..... धमकी देते हैं।

डी.एस.पी., अब मैं छूटूंगा.... और तेरी तो जान गई अब... हहाहहाहा

नहीं !

ऐसा हरगिज नहीं होगा। हम इन गीदड़ भभकियों के आगे कभी नहीं झुकेंगे

मेरा भी यही विचार है, सर।

मगर सर.?

कहो डी.सी.पी. साठे! क्या कहना चाहते थे?

हैड-एलर्ट के बावजूद जिस तरह उन्होंने शाहदरा चौकी को अपना निशाना बनाया है..... अगर उसी तरह 'कल' आतंकवादियों ने अपनी धमकी पूरी कर दी तो...

सर...

..... क्यों न कल दिल्ली में कर्फ्यू लागू किया जाये। इस प्रकार आतंकवादियों की कार्यवाही में अवश्य ही विघ्न पड़ेगा.....

और हमारा काम भी कुछ आसान हो जायेगा।

हुम्म!!

कुछ भी करने से पूर्व यह सोचना होगा कि सपेरा ग्रुप को वैज्ञानिक शक्तियां हासिल हैं.....

...और वह उन वैज्ञानिक शक्तियों को कहीं भी, किसी भी रूप में इस्तेमाल कर सकता है।

सर, फिर ऐसी हालत में सपेरा को छोड़ने का लालच सपेरा ग्रुप को दिया जा सकता है।

मैं इंस्पेक्टर विनय की बातों से सहमत हूं, सर!

ओ. के.। कल दिल्ली को कर्फ्यू-ग्रस्त घोषित किया जाए।

अगर जरूरत पड़ी तो पी. ए. सी. की मदद भी ली जायेगी।

रात को ही कर्फ्यू का ऐलान विभिन्न प्रचार माध्यमों से कर दिया गया –

दिल्ली में कर्फ्यू घोषित... दिल्लीवासियों से अपील... घर में ही रहें।

सरकारी दफ्तर बंद रहेंगे। स्कूलों की छुट्टी

आतंकवादी गतिविधि को देखते हुए कल दिल्ली में कर्फ्यू!

उसी रात्रि कई सिनेमाघरों के नाइट शो के मध्य दिखा पड़ा—

सपेरा कोबरे दे वरना कल आग की बारिश के लिये आप खुद लोग तैयार रहिये

-- सपेरा गुप.

आप सब लोग आराम उठाइये... सपेरा आपको प्रसन्न न हुआ तो शहर आग से पट जायेगा। कल नहीं परसों आयेगा

---- सपेरा गुप.

टी.वी. प्रसारण के सिग्नल एक अन्य शक्तिशाली ट्रांसमीटर ने नष्ट कर दिये—

सपेरे को छोड़ दो हम केवल इनके लिये ही हैं!

कर्फ्यू का मतलब हमसे बचना नहीं है!

छोटी छोटी सुंदर बच्चियों

हर मिनिट... मिनिट के प्रत्येक क्षण की खबर चीता के पास पहुंच रही थी-

हा हा हा हा हा हा हा हा

...लेकिन तोड़ने के लिये ये लोहे की मेज है मेरे पास!

सॉरी लोहे का चक्का है डी. सी. पी. साहब! इसे चबाने के लिए तो हमारे कानून के पास दांत नहीं हैं।

बता हरामजादे! दिल्ली में कहाँ है तेरा अड्डा?

धड़ाम

धड़ाम

धड़ाम

कुछ नहीं हो सकेगा सर! इतनी मार खाकर तो पत्थर भी बोल उठता... लेकिन सपेरा सिर्फ मुझे मार डालने की चेतावनी ही चीख-चीखकर देता रहा। बस।

यह तो बहुत बुरा हुआ...

आतंकवादियों की धमकी से पूरी दिल्ली थर्राई हुई है। लोग सिर्फ एक ही सवाल पूछ रहे हैं कि हम... हम क्या कर रहे हैं?

हम स्थिति की गंभीरता को समझते हैं डी.एस.पी. साठे...

आप... आप सब अपने इलाके में एक ऐलान करवाईये कि कल दिल्ली का बाल भी बांका नहीं होगा और...

और उस रात लोगों की नींद उड़ गई-

हे भगवान! न जाने कल क्या होने वाला है?!

उफ्फो! आतंकवादी नाम की ये दीमक तो आज विश्व के कोने-कोने में लग चुकी है।

क्या वास्तव में कल दिल्ली में आग नाचेगी!?

अजी मैं तो कहती हूं कि आज रात ही निकल चलो यहां से।

कम्बख्त इस सपेरा को गोली से क्यों नहीं उड़ा देते। न रहेगा बांस.. न बजेगी बांसुरी।

हर तरफ सनसनी थी... एक आतंक। एक दहशत सी सवार थी।

अगले दिन--

मिल लो सब- इंस्पेक्टर अजय पचास हजार हैं।

थीऽऽ ई। मिठाई का डिब्बा बोलो बेवकूफ !

हमारा काम?

हो गया है। बड़ी मुश्किल से ये कर्फ्यू कार्ड बनवा पाया हूं।...

... अब तुम जब चाहो दिल्ली के किसी भी कोने में कर्फ्यू के बावजूद जा सकते हो।

गुड। सपेरा ग्रुप तुम्हें याद रखेगा।

सलाम साब।

गेट बंद कर लो रामसिंह !

?

!!!

?

सब-इंस्पेक्टर अजय! कौन था वो आदमी, जो अभी-अभी...

ओह भैया?? मर गए।

अरे, विनय भैया... आप? आप कब आए?

जवाब मत टालो अजय! कौन था वो आदमी?

मेरा दोस्त था... मेरा पत्रकार दोस्त, भैया। मुझसे आज के हालात जानने आया था। जानकर बना गया।

पत्रकार दोस्त ओह?

सुनो अजय, शहर में कर्फ्यू लगा है। हर तरफ सनसनी फैली है.....

... सपेरा ग्रुप की धमकियों से लोग बुरी तरह आतंकित हैं। इस समय तुम्हें घर की चारदिवारी से बाहर गश्त पर होना चाहिये।

म... मैं बस निकल ही रहा था भैया!

चलो मैं तुम्हें ही देखने आया था। रास्ते में 'ड्राप' कर दूंगा

आप चलिये भैया... मैं अपना रूल और रिवाल्वर लेकर बस पहुंचता हूं।

इंस्पेक्टर विनय के बाहर निकलते ही सब-इंस्पेक्टर अजय अलमारी की तरफ लपका—

बाप रे बच गए! शुक्र है मिठाई के डिब्बे पर भैया की नजरें नहीं पड़ीं।

चलिए।

अजय, आज हर पल तुम्हें सतर्क रहना है। एक ऑफिसर के नाते इसे मेरा हुक्म समझो।

उधर दिल्ली मानो छावनी बन गई है—

हर पल एलर्ट रहें।

दिल्ली में कर्फ्यू लागू है। अजनबी को देखते ही पूछताछ करें। ओवर।

चप्पे-चप्पे पर, पुलिस की टुकड़ियां तैनात थीं—

दिल्ली में कर्फ्यू... कोई बाहर न निकले... कानून तोड़ने वाले को कड़ा दण्ड।

समाप्त

अब क्या होगा ?!!

- क्या सपेरे को छोड़ दिया जायेगा ?
- या सपेरा ग्रुप आग की बारिश करेगा ?
- अगर हां, तो कैसे ? कैसे होगी ये आग की बारिश ?
- परमाणु ? कौन है ये विलक्षण मानव ?
- क्या परमाणु दिल्ली पर आग बरसने देगा ?

हम जानते हैं कि उपरोक्त सवाल आपके मस्तिष्क को भी झनझना रहे हैं। और इन सवालों का जवाब पाने के लिये आपको 'कुछ' इंतजार तो करना पड़ेगा ही...

जी हां !! यही है आपके सवालों का जवाब !!!
अगले सैट में प्रकाशित, पढ़ना न भूलें !